Nai Dunia (Indore), 05th August 2022, Page - 08

आइआइटी पहुंचे दस देशों के विद्यार्थी, जुटाई जानकारी

आइआइटी इंदौर में जानकारी लेना पहुंचा विदेशी विद्यार्थियों का दल। • सौ. संस्थान

- निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने भारतीय शिक्षा प्रणाली के बारे में जानकारी दी
- अनुसंधान सुविधाओं सहित विभिन्न प्रयोगशालाओं का किया दौरा

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में गुरुवार को अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, ब्राजील, बेल्जियम, मैक्सिको, मिस्र, त्रिनिदाद, टोबैगो, अजरबैजान और दक्षिण अफ्रीका सहित 10 देशों के 32 विद्यार्थी पहुंचे। अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस) और ग्लोबल बीपी एसटीईएम अकादमिक कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी संस्थान में पहुंचे थे। कार्यक्रम का समन्वय एमरल्ड हाइट्स स्कूल ने किया। एएफएस एक अंतरराष्ट्रीय स्वैच्छिक गैर-सरकारी और गैर-लाभकारी संगठन है जो लोगों को अधिक न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण दुनिया बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और समझ विकसित करने में मदद करता है।

कार्यक्रम में आइआइटी के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने मानवता के लिए प्रौद्योगिकी के महत्व और इसके अनुप्रयोग पर बात की। उन्होंने विद्यार्थियों को नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालयों में प्रदान की जाने वाली भारतीय शिक्षा प्रणाली के पिछले गौरव और विरासत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रौद्योगिकी विकास पर काम करते हुए मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर समान ध्यान देने का आग्रह किया। आइआइटी इंदौर के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के डीन प्रो. अविनाश सोनावणे ने विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। संस्थान में एमटेक पाठ्यक्रम की शिक्षा ले रहे नाइजीरियाई विद्यार्थी अकाह प्रीशियस ने भी अपने अनुभव साझा किए। विद्यार्थियों ने रोबोटिक्स लैब, गियर इंजीनियरिंग लैब, ट्राइबोलाजी लैब, स्कूल आफ ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंसेस, एस्ट्रोनामी लैब और विभिन्न अन्य अनुसंधान सुविधाओं सहित विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं का दौरा किया। प्रोफेसर ने मशीनों और उपकरणों के कामकाज के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने परिसर में पौधारोपण भी किया। संस्थान ने आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न और राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया।